क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 71, शुक्रवार, 05 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

स्मृति ईरानी से 14 बार ज्यादा संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंचे राहुल गांधी

अमेठी। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी संसदीय सीट अमेठी के अलावा केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को टक्कर देने वाली केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी इस बार भी उनके खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। अमेठी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला। स्मृति ईरानी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अमेठी में वक्त ही नहीं देते। साथ ही कहा कि हमारे डर से ही इस बार राहुल गांधी वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं। अमेठी में राहुल को खतरा महसूस हो रहा है। स्मृति ईरानी कहती रही हैं कि हारने के बावजूद वह क्षेत्र में जमी रहीं। अब सवाल उठता है कि अमेठी के वोटर्स का किसने कितना ख्याल रखा, कौन कितनी बार क्षेत्र में आया और वोटर्स से मुलाकात की। एक न्यूज चैनल में छपी खबर के मुताबिक, बीते 5 साल में स्मृति ईरानी से 14 बार अधिक राहुल गांधी ने अमेठी का दौरा किया। भाजपा और कांग्रेस से मिली जानकारी के मुताबिक, स्मृति ईरानी ने पिछले 5 साल में 21 बार अमेठी का दौरा किया और राहुल गांधी ने अमेठी का 35 बार दौरा किया। स्मृति ईरानी पिछले 5 वर्षों में 26 दिनों तक अमेठी में रहीं और 106 राजनीतिक प्रोग्राम किए। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने अमेठी से लगातार 3 बार सांसद चुने जा चुके हैं। 2004 में उन्होंने पहली बार यहां से जीत हासिल की थी। इसके बाद 2009 और 2014 में भी उन्होंने जीत का सिलसिला जारी रखा. 2014 लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के बीच राहुल गांधी ने अमेठी सीट पर बीजेपी की स्मृति ईरानी को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। हालांकि मोदी सरकार उन्हें महत्वपूर्ण मंत्रालय सौंपे गए। फिलहाल वह राज्यसभा सांसद हैं. 2019 में अमेठी सीट से स्मृति ईरानी फिर से मैदान में हैं।

जनता के आशीर्वाद से किया विकासः नीतीश

मुंगेर। बिहार में सत्तरूढ़ जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कहा कि उनकी सरकार जनता के आशीर्वाद से ही राज्य में विकास कार्यों को मूर्त रूप दे रही है। श्री कुमार ने मुंगेर जिले के तारापुर अनुमंडल मुख्यालय में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के जमुई संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार चिराग पासवान के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य में विकास के प्रति संकल्पित है। उन्होंने कहा कि बिहार में जो विकास के कार्य हुए हैं, यह सब जनता के आशीर्वाद से ही संभव हो सका है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए लोजपा प्रत्याशी चिराग पासवान को भारी मतों से विजयी बनायें। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता के आर्शीवाद से उनके शासनकाल में उन्होंने राज्य में विकास की योजनाओं को गति प्रदान की। श्री कुमार ने कहा कि 13 वर्ष पूर्व बिहार का बजट मात्र चार हजार करोड़ होता था, जो अब बढ़कर दो लाख करोड़ तक पहुंच गया है। सभा को रामनाथ ठाकुर, जदयू विधायक डा0 मेवालाल चौधरी के अलावा अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

कांग्रेस का आरोप- पूर्ण राज्य के नाम पर बेवकूफ बना रहे केजरीवाल

नेशनल डेस्क। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्ण राज्य के अभियान को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने वीरवार को उन पर निशाना साधा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश लिलोठिया ने आरोप लगाया कि केजरीवाल पूर्ण राज्य के नाम पर बेवकूफ बना रहे हैं। लिलोठिया ने संवाददाताओं से कहा कि पुडुचेरी और दिल्ली में फर्क है। दिल्ली एक विशेष मामला है। इसकी तुलना दूसरे राज्यों से नहीं हो सकती है। यहां पर पूर्ण राज्य को लेकर बहुत बड़ी प्रक्रिया है। वह सिर्फ लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल को भी पता है कि पूर्ण राज्य का दर्जा संभव नहीं है, लेकिन वह सिर्फ दूसरों को जिम्मेदार ठहराने के लिए यह सब कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि शीला दीक्षित मुख्यमंत्री थीं तो एक समय केंद्र में भाजपा की सरकार थी। उस समय भी मुद्दे थे, लेकिन उसे हल किया गया। केजरीवाल सरकार चलाने में सक्षम नहीं है। वह सिर्फ दूसरों को जिम्मेदार ठहराकर अपने आप को बचाना चाहते हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस ने मंगलवार को जारी अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि केंद्र में पार्टी की सरकार बनने पर वह पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देगी तथा दिल्ली में उप राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र को स्पष्ट करने के लिए कानून में संशोधन करेगी। इसी को लेकर आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने राहुल गांधी को पत्र लिखा और आग्रह किया कि वह दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य के मामले पर पुर्निवचार करें।

कांग्रेस की न्याय योजना से भाजपा में बौखलाहटः पायलट

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस द्वारा घोषणा पत्र में गरीब परिवारों के लिये लाई गई न्यूनतम आय योजना (न्याय) से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में बौखलाहट हो गई है। राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री पायलट ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि न्याय योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले बीस प्रतिशत परिवारों की महिलाओं के खाते में प्रतिवर्ष 72 हजार रूपये जमा कराये जायेंगे। इससे देश के करीब पांच करोड़ परिवार लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने घोषणा पत्र में प्रतिबद्धता एवं देश सेवा के प्रति संकल्प को शब्दों में प्रस्तुत किया है।

यह घोषणा पत्र पिछले एक वर्ष के दौरान देश के दो दर्जन राज्यों का दौरान कर अलग अलग लोगों से खुले वातावरण में चर्चा कर तैयार किया है। श्री पायलट ने कहा कि भाजपा द्वारा वर्ष 2014 के चुनावों में प्रत्येक परिवार के खाते में पन्द्रह लाख रूपये जमा कराने, प्रतिवर्ष दो करोड़ बेरोजगारों को नौकरी देने का वायदा पूरा नहीं किया गया और जनता का ध्यान हटाने के लिये अब मंदिर, मस्जिद, धर्म एवं सेना द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक जैसा मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि भाजपा किसानों की आमदनी दुगुनी करने वाली थी अब वह मुद्दा कहां है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में सार्वजनिक क्षेत्र में 34 लाख युवाओं नौकरी देने, चार लाख सरकारी पद भरने, दस लाख युवाओं को ग्राम पंचायतों में रोजगार देने का वायदा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकार में आने के बाद जिस प्रकार संसद में रेल बजट पेश किया जाता है उसी प्रकार किसानों के लिये संसद में अलग से बजट पेश किया जायेगा।

अगले दशक में गरीबी में आ सकती है कमी :जेटली

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने गुरुवार को कहा कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है और यदि यह रुख अगले दशक या आगे तक जारी रहती है तो गरीबों की संख्या न्यूनतम स्तर तक लाई जा सकेगी। जेटली ने उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए सोच में बदलाव की आवश्यकता बतायी और कहा कि बाजार आधारित सुधारात्मक मॉडल अपनाने और अर्थव्यवस्था में होने वाली वृद्धि को गरीबी उन्मूलन के लिए उपयोग करने, इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने तथा समाज में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मदद करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम इतिहास रचने के मुहाने पर खड़े हैं इसलिए एकता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। भारत के सामाजिक आर्थिक स्वरूप में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 तक मध्यम वर्ग सबसे बड़ा समूह होगा। आर्थिक वृद्धि में तेजी आने पर मध्यम वर्ग और नए मध्यम वर्ग के उभरने का अनुमान है। इस उभरते हुए वर्ग का आकार बड़ा होगा। तब विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद घरेलू उपभोग पर अर्थव्यवस्था में अधिक तेजी लाई जा सकती है। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में सरकार ने मध्यम वर्ग के उपयोग के विभिन्न उत्पादों पर कर दर में कमी की है। इसके साथ ही बेहतर अनुपालन से कर संग्रह में वृद्धि हुई है जिससे गरीबों के लिए बनाई गई योजनाओं के लिए फंड मिला है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में बहुत कुछ करने की जरूरत है। इसमें राज्यों की महती भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि चुनाव सुधार में भारत में बहुत कुछ किया गया है। इस दिशा में राजनीतिक दलों के चंदे में पारदर्शिता लाने में चुनावी बॉन्ड की महत्वपूर्ण भूमिका है। जेटली ने सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष जमशेद एन. गोदरेज को लाइफटाइम अचिवमेंट पुरस्कार से सम्मानित भी किया। इस अवसर पर सीआईआई के अध्यक्ष राकेश भारती मित्तल और संगठन के उपाध्यक्ष विक्रम किर्लोस्कर भी मौजूद थे।

विकास परियोजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों से हो विचार विमर्शः उद्धव ठाकरे

नेशनल डेस्कन (एजेंसी)। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल पालघर जिले में विकास परियोजनाओं को शुरू करते समय स्थानीय लोगों के विचारों को ध्यान में रखा जाएगा। ठाकरे ने मंगलवार और बुधवार को पालघर लोकसभा संसदीय क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रोडशो किया और सिख एवं ईसाई सहित विभिन्न समुदायों के सदस्यों के साथ संपर्क किया। भाजपा के साथ चुनाव पूर्व अपने गठबंधन के तहत शिवसेना मुंबई के नजदीक स्थित पालघर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही है। इस सीट पर शिवसेना के प्रत्याशी राजेन्द्र गावित मैदान में हैं। जो पूर्व में कांग्रेस से भाजपा में आ गये थे और उपचुनाव में पालघर लोकसभा सीट से चुनाव जीते थे। गावित पिछले महीने शिवसेना में शामिल हुये थे। संसदीय क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान ठाकरे ने स्थानीय लोगों और मछुआरों से मुलाकात की और उनके साथ बैठकें की। शिवसेना प्रमुख ने आश्वासन दिया कि स्थानीय लोगों के साथ विचार-विमर्श के बाद जिले में विकास परियोजनाएं शुरू की जायेंगी। वह लोगों के विचारों को जानने के लिए प्रस्तावित वधावान बंदरगाह और अन्य जेटी परियोजना स्थलों का दौरा करेंगे। उन्होंने रत्नागिरी में नानर रिफाइनरी परियोजना का उदाहरण देते हुये कहा कि स्थानीय लोगों के विचारों और भावनाओं पर निश्चित रूप से विचार किया जाएगा। अगर लोग कुछ कामों का विरोध करते हैं तो सरकार उनके राय का सम्मान करेगी। इस बीच, ठाकरे ने यह भी कहा कि वह पालघर में मछुआरों के मुद्दों को देखेंगे।

पीएम मोदी की कामयाबी, यूएई ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा

अबु धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान जायद मेडल से सम्मानित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मोदी को दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मैत्री और संयुक्त रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका के लिए राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान ने इस पुरस्कार से नवाजा। अबुधाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कहा कि मोदी ने सप्रग रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्राउन प्रिंस ने कहा, ÷हमारे प्रिय मित्र भारत के प्रधानमंत्री को जायद मेडल देते हुए, हम यूएई और भारत के बीच सहयोग के आधार को बढ़ाने और दोस्ताना संबंधों को विकसित करने में उनकी भूमिका और प्रयासों की सराहना करते हैं।

टिकट कटने के बाद आडवाणी ने तोड़ी चुप्पी, कहा-मेरे लिए पहले देश, फिर पार्टी, अंत में मैं

नेशनल डेस्क (एजेंसी)। वरिष्ठ भाजपा नेता और मार्गदर्शक मंडल के सदस्य लालकृष्ण आडवाणी ने 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस से पहले एक ब्लॉग लिखा है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, 6 अप्रैल को भाजपा अपना स्थापना दिवस मनाएगी। बीजपी में हम सभी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम पीछे देखें, आगे देखें और भीतर देखें। बीजेपी के संस्थापकों में से एक के रूप में मैंने भारत के लोगों के साथ अपने अनुभवों को साधा करना अपना कर्तव्य समझा है। खासतौर पर मेरी पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं के साथ। दोनों ने मुझे बहु स्नेह और सम्मान दिया है। गांधीनगर सीट से टिकट कटने के बाद अपने ब्लॉग में लालकृष्ण आडवाणी ने लिखा है कि मैं गांधीनगर के लोगों के ले अपनी कृतज्ञता वयक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे 1991 के बाद छह बार लोकसभा के लिए चुना है। उनके प्यार और समर्थन ने मुझे हमेशा अभिभूत किया है। मातृभूमि की सेवा करना मेरा जूनून और मेरा मिशन है, जबसे मैंने 14 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ज्वॉइन किया है। मेरा राजनीतिक जीवन करीब सात दशकों से मेरी पार्टी के सात अविभाज्य रूप से जुड़ा रहा है। पहले भारतीय जनसंघ के साथ और बाद में भारतीय जनता पार्टी। मैं दोनों का संस्थापक सदस्य रहा हूं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और कई अन्य महान प्रेरणादायक और दिग्गजों के साथ मिलकर काम करने का मेरा सौभाग्य रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, मेरे जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत है, नेशन फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट सभी परिस्थितियों में मैंने इस सिद्धांत का पालन करने की कोशिस की है और आगे भी करता रहूंगा। भारतीय लोकतंत्र का सार विविधता और अभिवियक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान है। और आगे भी करता रहूंगा। भारतीय लोकतंत्र का सार विविधता और अभिवियक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान है। पार्टी व्यक्तिगत और राजनीतिक स्तर पर प्रत्येक नागरिक की पसंद की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है। बीजेपी हमेशा मीडिया समेत हमारे सभी लोकतांत्रिक संस्थानों की स्वतंत्रता, अखंडता, निष्पक्षता और मजबूती की मांग करने में सबसे आगे रही है। चुनावी सुधार, राजनीतिक और चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता हमारी पार्टी के लिए प्राथमिकता रही है।

ब्लॉग में लालकृष्ण आडवाणी ने लिखा है कि यह मेरी ईमानदार इच्छा है कि हम सभी को सामूहिक रूप से भारत की लोकतांत्रिकत शिक्षा को मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए। सच है, चुनाव लोकतंत्र का त्यौहार है। लेकिन ये भारतीय लोकतंत्र में सभी हितधारकों- राजनीतिक दलों, जन संचार, चुनाव प्रक्रिया का संचालन करने वाले प्राधिकारियों और सबसे ऊपर, मतदाताओं द्वारा ईमानदार आत्मनिरीक्षण के लिए भी एक अवसर है।

धारा 370 हटी तो कश्मीर में सिर्फ कब्जाधारी रह जाएगा भारतः महबूबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के प्रचार में राजनेताओं की भड़ाकाऊ और विवादित बयानबाजी जारी है। इसी कड़ी में पीडीपी नेता एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि यदि कश्मीर में धारा 370 समाप्त हुई तो यहां भारत महज जम्मू-कश्मीर में कब्जा करने वाली ताकत होगा। इस दौरान महबूबा मुफ्ती एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थी, उन्होंने बीजेपी पर हमला करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। जिस दिन आप धारा 370 को खत्म करोगे, आप कश्मीर में महज कब्जा करने वाली ताकत बनकर रह जाओगे। जिस तरह फलस्तीन पर इजरायल ने कब्जा कर रखा है, उसी तरह जम्मू और कश्मीर पर भी हिंदुस्तान का सिर्फ कब्जा होगा। इससे पहले बुधवार को एक चुनावी रैली में महबूबा ने कहा था कि यदि अमित शाह धारा 370 या 35ए की डेडलाइन तय कर रहे हैं तो जम्मू-कश्मीर की जनता के लिए भी यह डेडलाइन है। महबूबा ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर का जिन शर्तों के साथ भारत में विलय हुआ था, अगर उन्हें वापस ले लिया जाता है तो हम मुल्क से अपना अपना विलय तोड़ लेंगे। बता दें कि महबूबा मुफ्ती भड़ाकाऊ बयानबाजी लगातार करती जा रही है, इससे पहले भी उन्होंने कश्मीर और भारत को लेकर इस तरह के बयान दिये थे। कुछ दिन पहले उन्होंने आतंकियों के परिजनों से भी मुलाकात कर माहौल खराब करने की कोशिश की थी। महबूबा अनंतनाग से लोकसभा चुनाव लड़ रहीं हैं, इस सीट से पहले उनके पिता सईद मुफ्ती सांसद हुआ करते थे। लोगों से वोट लेने के लिए महबूबा जनसभाएं करने में लगी हैं।

धन शोधन मामलाः दीपक तलवार ने उच्च न्यायालय से याचिका ली वापस

नेशनल डेस्क (एजेंसी)। धन शोधन मामले में आरोपी दीपक तलवार ने दिल्ली उच्च न्यायालय से अपनी याचिका वीरवार को वापस ले ली। उन्होंने इस याचिका में दावा किया था कि 30 जनवरी से उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है। तलवार के वकील ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका वापस लेने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय के एक हालिया फैसले का जिक्र किया। दरअसल शीर्ष न्यायालय ने कहा था कि रिमांड के आदेश के खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण (रिट याचिका) के तहत विचार नहीं किया जायेगा। गौरतलब है कि गिरफ्तार व्यक्ति को इस रिट के तहत किसी न्यायाधीश या अदालत में पेश किया जाता है। उसकी हिरासत के लिए कानूनी आधार नहीं होने की स्थिति में उसकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति विनोद गोयल की पीठ ने कॉरपोरेट लॉबिस्ट तलवार को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी और मामले का निपटारा कर दिया। तलवार की ओर से पेश हुए अधिवक्ता तनवीर अहमद मीर ने कहा कि वह कानूनी और तथ्यात्मक मुद्दों को उठाते हुए निचली अदालत में जमानत याचिका दायर करेंगे। प्रवर्तन निदेशालय के आरोप के मुताबिक तलवार ने विदेशी निजी एयरलाइनों को फायदा पहुंचाने के लिए बिचौलिये के रूप में काम किया था जिससे एयर इंडिया के नुकसान हुआ था।

संपादकीय

नए समीकरण में भारत

पिछले कुछ समय में चीन ने जिस तरह से कई मौकों पर पाकिस्तान की उल्टी-सीधी हरकतों में उसका साथ दिया है, वह हमारे लिए चिंता का कारण तो रहा ही है, साथ ही इस पर हैरत भी व्यक्त की जाती रही है कि भारत-विरोध के चक्कर में चीन आतंकवाद का साथ क्यों दे रहा है? पिछले लगभग दस दिनों की घटनाएं देखें, तो चीन की खीझ का कारण सिर्फ उसका भारत-विरोध नहीं है, बल्कि यह भी है कि दुनिया का सत्ता समीकरण जिस तरह से बदल रहा है, उसमें भारत का स्थान महत्वपूर्ण होता जा रहा है। बुधवार को दो घटनाएं ऐसी हुईं, जिनसे यह और स्पष्ट हो गया। सबसे पहले मसूद अजहर मामले में अमेरिकी प्रवक्ता का बयान आया, जो पूरी तरह से चीन की नीति के विरुद्ध था। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका मसूद अजहर पर पाबंदी लगाने के लिए अपने सारे संसाधनों का इस्तेमाल करेगा। यह उस चीन को खुली चुनौती है, जिसने न सिर्फ मसूद अजहर के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लाए गए प्रस्ताव को वीटो किया था, बल्कि जब ऐसा ही एक और प्रयास शुरू हुआ, तो दो दिन पहले चीन ने बयान देकर इसके लिए अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों की आलोचना भी की। इसी के साथ बुधवार को ही एक अन्य खबर भी आई, जिसने चीन के कान जरूर ही खड़े किए होंगे। अमेरिका ने भारत को 24 रोमियो सीहॉक हेलीकॉप्टर बेचने के सौदे को मंजूरी दे दी है। हम चाहें, तो इसे पिछले दिनों अमेरिका से भारत को मिले चिनूक हेलीकॉप्टर से भी जोड़कर देख सकते हैं। चिनूक हेलीकॉप्टर की जरूरत भारत की थल सेना को लॉजिस्टिक्स सपोर्ट जैसे तमाम कारणों से थी। लेकिन सीहॉक हेलीकॉप्टर की जरूरत इससे काफी अलग है। एक तो आधुनिक समुद्री लड़ाई में इस्तेमाल होने वाले सीहॉक हेलीकॉप्टर थल सेना या वायु सेना में नहीं, बल्कि भारतीय नौसेना का हिस्सा बनेंगे। पाकिस्तानी नौसेना की इस समय जो हालत है, उसका मुकाबला करने में भारत इस हेलीकॉप्टर के बिना ही समर्थ है। भारत को सीहॉक हेलीकॉप्टर की जरूरत इसलिए है, क्योंकि पिछले कुछ समय में हिंद महासागर में चीन की गतिविधियां काफी तेजी से बढ़ी हैं। जब से चीन ने भारत के आस-पास श्रीलंका और मालदीव जैसे देशों में बंदरगाहों को हासिल किया है, उसकी नौसेना के जहाजों के इस इलाके में घूमने की खबरें भी अक्सर आती रहती हैं। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का काम पूरा होने के बाद चीनी नौसेना की सक्रियता का बढ़ना लगभग तय है। ऐसे में, भारत को उस नौसैनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है, जो न सिर्फ चीनी नौसेना पर नजर रख सके, बल्कि उसकी किसी भी चुनौती का मुकाबला करने को तैयार हो। सीहॉक हेलीकॉप्टर इस काम में काफी मददगार होंगे। चीन की व्यापारिक और सैनिक महत्वाकांक्षाएं जिस तरह से बढ़ी हैं, उसके खिलाफ दुनिया में जो समीकरण उभरा है, उसमें भारत की भूमिका काफी अहम है। एशिया में चीन के खिलाफ जो त्रिकोण काम कर रहा है, उसमें तीन देश हैं- भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान। इनमें भारत से अमेरिका समेत पश्चिम के देश सबसे ज्यादा उम्मीद बांध रहे हैं। यही कारण है कि चीन भारत-विरोध में इस हद तक आगे बढ़ गया है कि वह पाकिस्तान के आतंकवादियों तक को समर्थन दे रहा है।

ट्वीट

धूल

कृषि को पैसा देना सब्सिडी या ''खैरात'' माना जाता है। उद्योग को पैसा देना ''आर्थिक प्रोत्साहन'' मान लिया जाता है। इस तरह की चालाकी से आर्थिक शब्दजाल बनाए गए हैं ताकि औसत नागरिक की आंखों में धूल झोंकी जा सके। देविन्दर शर्मा, कृषि मामलों के जानकार

चीनी मंसूबों से भारतीय हितों का खतरा

जी. पार्थसारथी

पिछले कुछ दशकों के दौरान, वैश्विक पटल पर चीन का उद भव एक मुख्य घटना है, जिसके पीछे मुख्य भूमिका देंग शियाओ पिंग के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व और आर्थिक सुधारों की है। पिछले समय के दौरान चीन ने ऊंचे स्तर की आर्थिक प्रगति दर्ज करवाई है, जो लगभग तीन दशकों तक औसत 9.5 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर वाली रही है। इससे पहले 1950-89 के बीच जापान की तरक्की देखने को मिली थी, जिसकी औसतन वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही थी। इस काल ने चीन के बाजार व्यवस्था के नियमों में बदलाव होते देखा, जिसके चलते निर्यात में भारी वृद्धि दर्ज हुई और चीन विश्व में सबसे बड़ा निर्यातक देश बनकर उभरा था। चीन का निजी क्षेत्र वहां के उद्योगों पर लगभग 80 प्रतिशत मालिकाना हक रखता है और अमूमन पूरा कृषि क्षेत्र भी इसके नियंत्रण में है। वहीं सरकार के स्वामित्व वाली भूमि पर बमुश्किल 1 प्रतिशत खेत मजूदरों को रोजगार मिला हुआ है। चीन में आज की तारीख में 658 खरबपति हैं जबकि देश पर साम्यवादी पार्टी की सत्ता है, इसकी बनिस्पत पूंजीवादी व्यवस्था वाले देश अमेरिका में जहां डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में दक्षिणपंथी रिपब्लिकन पार्टी का राज है, वहां 584 खरबपति हैं! आज चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग अकाट्य नेता बनकर उभरे हैं, जिनकी चाहत पूर्व सर्वेसर्वा देंग शियाओ पिंग सरीखी महत्ता पाने की है। अपनी इस महत्वाकांक्षा को पाने के लिए शी जिनपिंग के अनेक मंत्रों में एक है लोकप्रिय हो चुकी 'वन बेल्ट-वन रोड' नामक योजना, जिसका विदेशों में निर्माण वह चीनी कंपनियां करेंगी, जिनके पास फिलहाल पहले के मुकाबले छोटे दर्जे के निर्माण हाथ में होने की वजह से मजदूरों और मशीनरी सहित सामर्थ्य अतिरिक्त मात्रा में है। राष्ट्रपति शी की 'बेल्ट एंड रोड' पेशकश के अंतर्गत एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय महाद्वीप में फैले 68 देशों में न केवल सड़कों और पुलों का निर्माण करना बल्कि रेलवे, बंदरगाह, बांध, बिजलीघर और अन्य बुनियादी ढांचा बनाना भी शामिल है। इन परियोजनाओं पर कुल मिलाकर अनुमानित खर्च 1 से 1.3 ट्रिलियन डॉलर के बीच आएगा। तथापि भारत के लिए चिंता का मुख्य कारण हिंद महासागर के क्षेत्र में बनने वाली चीनी परियोजनाएं हैं। हालांकि, कहने को 'वन बेल्ट-वन रोड' का मुख्य ध्यान सड़क और पुल निर्माण, बिजली परियोजनाएं और बांध बनाने पर होगा लेकिन इसके लिए खुद चीन की ओर से मुल्कों दी जाने वाली आर्थिक मदद की शर्तें पूरी तरह पारदर्शी नहीं हैं। इसके अलावा इनके संचालन एवं रखरखाव में स्थानीय कौशल एवं योग्यता को स्थान देने पर ध्यान कम ही दिया गया है। चीन द्वारा दिए जाने वाले कर्ज की वापसी और सूद की दर आसानी से कोसों दूर है। वहीं विश्व बैंक, एशिया विकास बैंक या फिर जापान-जर्मनी द्वारा द्विपक्षीय आर्थिक मदद के तहत मुहैया करवाए गए कर्ज कहीं ज्यादा आसान एवं व्यावहारिक हैं। चीन की 'सहृदय मदद' का नतीजा यह रहा है कि विकासशील देशों में कई चीन की मक्कारी भरी बनावटी मदद के मकड़जाल में उलझ गए हैं। वे जल्द ही खुद को उस स्थिति में पाएंगे जब सूद और किश्तें चुकता न कर पाने की एवज में उन्हें अपनी जमीन और प्राकृतिक संपदा के स्रोतों का एक अच्छा-खासा हिस्सा चीन के हवाले करना होगा। चीन द्वारा दी जाने वाली 'मदद' में पारदर्शिता अत्यंत सीमित है। इसके बावजूद जब एशिया और अफ्रीका में सत्ता पर काबिज विशिष्ट वर्ग चीन के फेंके चारे में फंस गया है। भारत के हिंद महासागरीय पड़ोस में, जो पश्चिम दिशा में दिजबाउती से लेकर पूर्वी अफ्रीका के तटीय देशों और बलूचिस्तान के ग्वादर से लेकर श्रीलंका के हम्बनतोता एवं कोलंबो बंदरगाहों तक फैला है, चीन की नीयत से भारत की चिंता मुख्यतः जाग्रत हो गई है। अपनी 'मदद' को हथियार बनाकर चीन ने सबसे पहले पूर्वी अफ्रीका के तटीय देश दिजबाउती का बंदरगाह हथियाकर वहां अपना सैनिक अड्डे स्थापित कर दिया है। इसकी एवज में चीन ने वहां पर सुविधाओं का निर्माण, दो हवाई अड्डे बनाने और दिजबाउती के तट से लेकर बिना समुद्रतट वाले देश इथियोपिया तक रेल लाइन बिछाने का काम हाथ में लिया है। इसके अतिरिक्त पड़ोस के कीनिया में चीन द्वारा मोम्बासा के सामरिक बंदरगाह का विकास करने के अलावा वहां से राजधानी नैरोबी तक रेल लाइन बनाने वाले काम ने अंतर्राष्ट्रीय पटल पर मुल्कों का ध्यान खींचा है। कीनिया भी चीनी ऋण चुकाने में विफल होने वाला है। इसके बदले में उसे मोम्बासा बंदरगाह का प्रयोग और प्रबंधन चीन को सौंपना एक उपाय होगा। चीन कीनिया का सबसे बड़ा ऋण-प्रदाता है, जिसके इसकी देनदारी 42 बिलियन डॉलर को छू गई है। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन की ऊलजलूल फिजूलखर्ची ने 4 लाख की जनसंख्या और 4.9 बिलियन डॉलर की सकल घरेलू आय वाले इस द्वीपीय देश पर 3 बिलियन डॉलर का कर्ज चीनी कंपनियों द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास के नाम पर चढ़ा दिया है। नये राष्ट्रपति इब्राहिम सोहिल की सरकार इन परियोजनाओं को लेकर संशकित हो उठी है। श्रीलंका भी चीनी ऋण चुकाने में विफल रहने पर हम्बनतोता बंदरगाह का बड़ा भाग चीन को 99 साल के पट्टे पर सौंपना पड़ा है। पाकिस्तान और म्यांमार की भी यही स्थिति होगी। 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' नामक योजना के लिए चीन ने जो 62 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है, उसके अंतर्गत सड़कें, रेलवे, खदानें, बंदरगाह, बिजलीघर और कृषि क्षेत्र का विकास करना उलीका गया है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर महज 6-8 बिलियन डॉलर रह गया है। अब पाकिस्तान अपने यहां पलने-बढ़ने वाले आतंकी गुटों को मदद देना बंद नहीं करता है तो उसके आर्थिक संकट से निपटने के विकल्प बहुत सीमित रह जाएंगे। बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ-साथ चीन ने लगभग उसका अधिग्रहण कर लिया है और बदले में उसने पाकिस्तान की नौसेना को सुदृढ़ करने की खातिर 2028 तक अपने 'अत्याधुनिक' बेड़े से चार समुद्री लड़ाकू जहाज और आठ आधुनिक आक्रामक पनडुब्बियों से लैस करना तय किया है। म्यांमार भी चीनी ब्लैकमेलिंग के सामने घुटने टेकना लगभग स्वीकार कर चुका है। उसे पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत जोखिम भरी बिजली परियोजना पर लोगों के भारी विरोध के बावजूद चीनी 'मदद' को मंजूर करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

जैसा कि जाहिर है 'वन बेल्ट-वन रोड' परियोजना के कई निशाने हैं। इसके बनाने के पीछे एक उद्देश्य हिंद महासागर के उस भाग में चीनी वर्चस्व स्थापित करना भी है जहां हमारे लिए अत्यंत महत्व रखने वाली संचार और तेल सप्लाई लाइनें बिछी हैं। दो दशक पहले भारत द्वारा जताई गई चिंताओं पर चीन के नौसेना एडमिरल ने अपनी घमंड भरी प्रतिक्रिया में कहा था - 'हिंद महासागर का अर्थ केवल भारत की सम्प्रभुता वाला समुद्र नहीं है।' हिंद महासागर में बिछी संचार लाइनों वाले हिस्से पर चीन का दबदबा बनने से न केवल भारत के लिए गंभीर खतरा है बल्कि हमारे मित्र देशों अमेरिका से लेकर जापान तक और इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम और दक्षिण कोरिया के लिए भी यह खतरनाक है।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

अहंकार

श्री राम शर्मा आचार्य

अध्यात्म विज्ञान के साधकों को अपने दृष्टिकोण में मौलिक परिवर्तन करना पड़ता है। सोचना होता है कि जीवन की बहुमूल्य धरोहर ऐसे उपभोग करनी है, जिससे शरीर निर्वाह-लोक व्यवहार चलता रहे। आत्मिक अपूर्णता को पूरा करने का चरम लक्ष्य भी प्राप्त हो सके। ईर के दरबार में पहुंचकर सीना तानकर कहा जा सके कि जो अमानत जिस प्रयोजन के लिए सौंपी गई थी, उसे उसी हेतु सही रूप में प्रयुक्त किया गया है। इस मार्ग में सबसे बड़ी रु कावट तीन हैं-लोभ, मोह और अहंकार। इन्हीं के कारण मनुष्य पतन के गर्त में गिरता है, पशु, प्रेत और पिशाच की जिंदगी जीता है। लोक विजय के लिए ''सादा जीवन, उच्च विचार' का सिद्धांत अपनाना पड़ता है। औसत नागरिक स्तर के निर्वाह में संतोष करना पड़ता है। परिश्रम की कमाई पर निर्भर रहना पड़ता है। जो व्यक्ति विलास में अधिक खर्चता है, वह प्रकारांतर से दूसरों को उतना ही अभावग्रस्त रहने के लिए मजबूर करता है। इसीलिए शास्त्रकारों ने परिग्रह को पाप बताया है। अधिक कमाया जा सकता है, पर उसमें से निजी निर्वाह में सीमित व्यय करके शेष बचत को गिरे हुए को उठाने, उठे हुए को उछालने और सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन में लगाना जाना चाहिए। राजा जनक जैसे उदारहणों की कमी नहीं है। मितव्ययी अनेक दुर्व यसनों और अनाचारों से बचता है। ऐसी हविस उसे सताती नहीं कि अनाचार पर उतारू होना पड़े। साधु-ब्राह्मणों की यही परंपरा रही है। सज्जनों की शालीनता भी उसी आधार पर फलती-फूलती है। जीवन साधना के उस प्रथम अवरोध लोभ को नियंत्रित कराने वाला दृष्टिकोण हर जीवन साधना के साधक को अपनाना चाहिए। मोह वस्तुओं से भी होता है, और व्यक्तियों से भी। छोटे दायरे में आत्मीयता सीमाबद्ध करना ही मोह है। उसके रहते हृदय की विशालता चरितार्थ ही नहीं होती। अपना शरीर और परिवार ही सब कुछ दिखाई पड़ता है। उन्हीं के लिए मरने-खपने के कुचक्र में फंसे रहना पड़ता है। अहंकार मोटे अर्थों में घमंड को माना जाता है। अशिष्ट व्यवहार, क्रोधग्रस्त रहना इसकी निशानी है। लोभ, मोह और अहंकार जिनके पास हैं, उनके लिए जीवन साधना की लंबी व ऊंची मंजिल पर चल सकना असंभव हो जाता है।

मतदाता के नब्ज़ पर हाथ रखने का भ्रम

विश्वनाथ सचदेव

मरीज़ के बुखार की जांच अक्सर डाक्टर उसकी नब्ज़ की रफ्तार देखकर करते हैं। कुछ चिकित्सक, विशेषकर आयुर्वेद वाले, कभी-कभी इस नब्ज़ से बीमारी का पता लगाने का दावा भी करते हैं। इस सबके चलते जनता की नब्ज़ पर हाथ रखना राजनीति का एक मुहावरा बन गया होगा, इस नब्ज़ की रफ्तार को समझने वाले राजनेता को अक्सर अच्छा नेता माना जाता है। हमारे राजनेताओं की समझ और दावे अक्सर ग़लत सिद्ध होते हैं। चुनाव-परिणाम तो इस बारे में स्थिति स्पष्ट करते ही हैं, चुनाव-प्रचार के दौरान जनता का मूड भी कभी-कभी इसका संकेत दे देता है। चतुर राजनेता हवा का रुख पहचान लेते हैं, पर अक्सर देखा यह गया है कि अपने बाकी दावों की तरह ही जनता की नब्ज़ पहचानने का हमारे राजनेताओं का दावा भी कुल मिलाकर झूठ ही होता है। महत्वपूर्ण तो होती है मतदाता के मन की बात। इसीलिए इसकी थाह पाने की तरह-तरह से कोशिश होती है। सर्वेक्षण किये जाते हैं, अनुमान लगाये जाते हैं, तरह-तरह के चुनावी गणित और समीकरण बनाये और बिगाड़े जाते हैं। अक्सर ये कोशिशें मतदाता की कसौटी पर खरी नहीं उतरतीं। इसका एक बड़ा कारण यह भी होता है कि राजनेता और राजनीति को समझने का दावा करने वाले, अक्सर अपनी बनायी दुनियाओं में जीते हैं। अक्सर वे अपने पूर्वाग्रहों से उबर नहीं पाते, और अक्सर वे अति आत्मविश्वास के शिकार हो जाते हैं। कभी-कभी उन्हें यह भ्रम भी हो जाता है कि वे अपने करतबों से मतदाता को आसानी से भरमा सकते हैं। तब वे या तो कुतर्क का सहारा लेते हैं या फिर आकर्षक नारों के जाल में जनता को फंसाने की कोशिश करते हैं। कभी वे जनता की भावनाओं के साथ खेलते हैं और कभी अपनी वाकपटुता से उसे भरमाते हैं। राष्ट्रवाद बड़ा नाजुक मुद्दा है। देश की सुरक्षा के नाम पर भावनाओं को आसानी से उभारा जा सकता है। राष्ट्र-प्रेम का हवाला देकर, राष्ट्र-हित का वास्ता देना और फिर किसी को राष्ट्र-विरोधी घोषित कर देना मुश्किल काम नहीं है। पर यह खतरनाक राजनीति है। खतरनाक इस माने में कि इस तरह के आरोप किसी एक वर्ग को जनता की निगाह में संदिग्ध सिद्ध करने की कोशिश करते हैं। पर, दुर्भाग्य से, चुनाव के इस मौसम में इस तरह के आरोप आये दिन लगाये जा रहे हैं। यदि कोई देश के साथ छल करता है तो निश्चित रूप से वह सज़ा का भागी है, लेकिन सज़ा उसे भी मिले, जो आधारहीन आरोपों के सहारे अपनी राजनीति चमकाना चाहता है। झूठे वादे, झूठे दावे और झूठे आरोपों की सज़ा के लिए पता नहीं हमारी दंड-संहिता में कोई धारा या धाराएं हैं अथवा नहीं, पर मतदाता इसकी सज़ा दे सकता है। अक्सर देता भी है। इसीलिए ज़रूरी हो जाता है कि मतदाता जागरूक हो, चौकन्ना हो, अपने विवेक का उपयोग करने वाला हो। आकर्षक नारों और चतुर तरकीबों के जाल में फंसने वाला मतदाता जनतंत्र में नागरिक के कर्तव्यों को पूरा नहीं करता। इन्हीं कर्तव्यों का तकाज़ा है कि मतदाता का व्यवहार ऐसा हो कि राजनीति के ठेकेदारों को अपनी ग़लती का अहसास लगातार होता रहे। दरअसल सबसे महत्वपूर्ण साधन तो हमारा वोट है। उचित और समर्थ के पक्ष में दिया गया वोट निश्चित रूप से सही-ग़लत का निर्णय करता है। पर इसके अलावा भी कोई तरीका ऐसा होना चाहिए जो हमारे राजनेताओं को मतदाता की ताकत का अहसास कराता रहे। वह तरीका राजनेताओं से उनके कहे-किये के औचित्य का प्रमाण मांगना है। आज राजनीतिक दल और राजनेता बड़ी-बड़ी रैलियां कर रहे हैं; हरसंभव माध्यम से उसे भरमाने की कोशिश होती है। ऐसे में मतदाता की चुप्पी जनतंत्र की मूल भावनाओं को न समझने का संकेत होती है। मतदाता करोड़ों खर्च करने वाले राजनेताओं की नकल करके अपनी बात उन तक नहीं पहुंचा सकता, लेकिन वह इन नेताओं के कहे पर सवाल तो उठा ही सकता है। आज सोशल मीडिया एक बहुत ताकतवर माध्यम के रूप में सामने आया है। राजनेता अपने स्वार्थों के लिए इसका भरसक प्रयोग कर रहे हैं। इस मीडिया का उपयोग मतदाता को अपनी जागरूकता सिद्ध करने के लिए करना चाहिए। यह सवाल उठाने का सशक्त माध्यम है। पूछो तो सही राजनेता से कि वह ऐसा क्यों समझता है कि मतदाता उसकी जेब में है? आखिर नेता असली मुद्दों पर बात क्यों नहीं करते? जनता की नब्ज़ को क्यों नहीं समझना चाहते। आज देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोज़गारी है। देश के सक्षम युवा बेकार बैठे हैं। शिक्षा की उच्चतम डिग्रियों से लैस हमारे युवा वपरासी जैसे पदों की नौकरी की कतार में खड़े हैं। देश की सुरक्षा के नाम पर जिस तरह मतदाता को भरमाया जा रहा है या फिर अपने प्रतिपक्ष को संदिग्ध निरूपित करने की कोशिशें हो रही हैं, वे बातें मतदाता की प्राथमिकता में दूर-दूर तक कहीं दिखाई नहीं देतीं। जनता जाति-धर्म और भावनात्मक मुद्दों के जाल से बाहर आ चुकी है या आ रही है। हमारे राजनेता इस बात को कब समझेंगे? कब उनकी मन की बात मतदाताओं के मन की बात से जुड़ेगी? नेतृत्व का काम जनता को भरमाना नहीं, उसे राह दिखाना है। हमारा नेतृत्व उसे जुमलों में, नौटंकियों की गलियों में भटकाने में लगा है। सही विकास का राजमार्ग देश की जनता का अधिकार है।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मसूद अजहर को लेकर अमेरिका की धमकी से बौखलाया चीन

बीजिंग।

अमेरिका द्वारा पाकिस्तान स्थित 'जैश-ए- मोहम्मद' सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करने की धमकी देने से बौखलाए चीन ने बुधवार को कहा कि अमेरिका का यह कदम इस मुद्दे को पेचीदा बना रहा है और यह दक्षिण एशिया में शांति एवं स्थिरता के लिए अनुकूल नहीं है। अजहर को '1267 अल कायदा प्रतिबंध कमेटी' के तहत सूचीबद्ध करने के एक फांसीसी प्रस्ताव पर चीन के अड़ंगा डालने के बाद अमेरिका ने उसे काली सूची में डालने और उसकी यात्रा पर पाबंदी लगाने के लिए 27 मार्च को 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक मसौदा पत्र वितरित किया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन इस मुद्दे का उचित हल करने के लिए रचनात्मक रुख अपना रहा है। उन्होंने विदेश विभाग के प्रवक्ता के एक बयान के बारे में सवाल पूछे जाने पर यह कहा। दरअसल, प्रवक्ता ने कहा था कि अमेरिका अजहर को काली सूची में डालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करेगा। अमेरिका ने मंगलवार को कथित तौर पर कहा था कि वह जैश संस्थापक अजहर को जवाबदेह ठहराने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करेगा। गेंग ने सोमवार को दावा किया था कि पेचीदा मुद्दे के हल के लिए सकारात्मक प्रगति हुई है और उन्होंने अमेरिका पर उसकी कोशिशों को नाकाम करने का आरोप लगाया । उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र नियमों और परंपरा के अनुरूप नहीं है तथा यह एक गलत उदाहरण है। उन्होंने कहा, ''हमें आशा है कि इस मुद्दे का आखिरकार उपयुक्त हल हो जाएगा।''

गेंग ने पुलवामा आतंकी हमले और जम्मू कश्मीर के हालात में जैश की संलिप्तता के बारे में कोई सबूत नहीं मिलने से जुड़े सवाल पर गेंग ने कहा, ''कश्मीर में हुई हालिया घटना पर चीन ने अपना रुख बयां कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी के पुलवामा हमले में जैश की संलिप्तता के बारे में भारत ने 27 फरवरी को दस्तावेज सौंपा था।

पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर 2019 में सुस्त होकर 3.9 फीसदी रहेगीः एडीबी

इस्लामाबाद।

वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट आने के संकेत हैं। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने व्यापक आर्थिक चुनौतियों का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2018 में 5.2 प्रतिशत से गिरकर 2019 में 3.9 प्रतिशत पर आ जाने का अनुमान है। एशियाई विकास परिदृश्य 2019 के अनुसार, कृत्रि क्षेत्र में सुधार के बावजूद 2018 में पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ी है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान की विस्तारवादी राजकोषीय नीति ने बजट और चालू खाते के घाटे को व्यापक रूप से बढ़ाया और विदेशी मुद्रा का भारी नुकसान किया है। एडीबी ने कहा कि जब तक वृहद आर्थिक असंतुलन को कम नहीं किया जाता है तब तक वृद्धि के लिए परिदृश्य धीमा बना रहेगा, ऊंची मुद्रास्फीति रहेगी, मुद्रा पर दबाव बना रहेगा। उसे थोड़ा बहुत विदेशी मुद्रा भंडार भी बनाए रखने के लिए भारी मात्रा में बाहरी वित्तपोषण की जरूरत होगी। पाकिस्तान की जीडीपी वृद्धि दर 2019 में गिरकर 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है क्योंकि पाकिस्तान के सामने अब भी वृहद आर्थिक चुनौतियां खड़ी हैं। एडीबी ने कहा कि 2020 में भी राजकोषीय मजबूती और अनुशासन जारी रहने की वजह से उसकी आर्थिक वृद्धि दर गिरकर 3.6 प्रतिशत रह

जाएगी। अपनी भारी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ एक वृहद आर्थिक स्थिरीकरण कार्यक्रम पर बातचीत कर रही है।

बर्फ की चादर में लिपटा इंगलैंड, यैलो वैदर वार्निंग जारी

लंदन ।

इंगलैंड के कई हिस्सों में कल देर रात भारी बर्फबारी हुई जिससेजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और कुछ हिस्सों में कार चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यैलो वैदर वार्निंग के बीच इंगलैंड के कई हिस्सों में इस सप्ताह तापमान 5 डिग्री सैल्सियस रहने की संभावना जताई गई है। लंकाशायर में भारी बर्फबारी के पश्चात आज सुबह एम-55 पर 24 वाहनों के टकराने के समाचार पुलिस को प्राप्त हुए हैं। इंगलैंड और स्काटलैंड के कुछ हिस्सों के बर्फ में ढक जाने के बीच प्रशासन ने वाहन चालकों को अपने वाहनों की गति कम रखने या कुछ मामलों में घर पर ही रहने की सलाह दी है। लंकाशायर पुलिस के अनुसार अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। लंकाशायर के अलावा नार्थ वेल्स में भी बर्फबारी की सूचना मिली है। स्काटलैंड में तो बर्फबारी के कारण कुछ सड़कों को बंद करना पड़ा है। इससे पहले फरवरी माह में यहां बर्फबारी की वजह से कई इलाके बर्फ की चादर से ढक गए थे। वहीं इंग्लैंड का लॉर्ड्स मैदान भी मोटी बर्फ की चादर से ढक गया था है। आईसीसी ने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड की एक फोटो शेयर की थी ।

ब्रिटिश सांसदों ने ब्रेक्जिट की समय सीमा बढ़ाने को दी मंजूरी

लंदन ।

ब्रिटेन के सांसदों ने ब्रेक्जिट प्रक्रिया के लिए डिले बिल यानि ईयू से इस प्रक्रिया की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह करने संबंधी बिल को पारित कर दिया। इसे सिर्फ एक वोट के बहुमत से सांसदों का समर्थन मिला। इस बिल को पारित करने का उद्देश्य ब्रिटेन को बिना किसी डील के ईयू से अलग होने से बचाना है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लेबर पार्टी के नेता युवेट कूपर ने इस बिल को पेश किया और केवल एक ही दिन में

हाउस ऑफ कॉमन्स ने इसे पास कर दिया। हालांकि, इसे कानूनी रूप देने के लिए हाउस ऑफ लॉर्ड्स की मंजूरी भी जरूरी है। इसके बाद भी यह ईयू पर ही निर्भर करेगा कि इस प्रक्रिया को और विस्तार मिलेगा या नहीं। इस बिल पर मतदान ब्रेक्जिट पर चर्चा के लिए जेरेमी कोरबिन से थेरेसा मे की मुलाकात के बाद हुआ। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को सकारात्मक बताया गया, जो इस मसले पर एक आम सहमति बनाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन, कोरबिन ने कहा कि संपूर्ण नहीं रही।

संक्षिप्त समाचार

दुनिया के सबसे महंगे बर्गर की बिक्री शुरू

इंटरनेशनल डेस्क। जापान की राजधानी टोक्यो के एक रेस्त्रां में दुनिया के सबसे महंगे बर्गर की बिक्री शुरू हो गई है 7 इशकी कीमत सुन कर लोगों के होश उड़ जाएंगे। इसे स्टीकहाउस में काम करने वाले शेफ पैट्रिक शिमादा ने तैयार किया है 7 इसे बनाने के लिए खास चीजों का इस्तेमाल किया गया है 7 दुनिया के सबसे महंगे इस बर्गर की बिक्री करीब 63 हजार रुपए में हो रही है 7 इसकी बिक्री जून तक ही की जाएगी 7 इसका नाम गोल्डेन जॉयंट बर्गर रखा गया है 7 इस बर्गर को बनाने के लिए बीफ स्लाइस, चीज, टोमैटो और अन्य आइटम का इस्तेमाल किया गया है 7 लेकिन इसमें सबसे खास है डस्टेड गोल्ड से बना हुआ इसका बन 7 यह बर्गर 6 इंच चौड़ा और 10 इंच लंबा है 7 इसे जापान के क्राउन प्रिंस नरुहितो के पद संभालने के सेलिब्रेशन के सिलसिले में तैयार किया गया है 7 जो भी व्यक्ति इस बर्गर का ऑर्डर करना चाहता है, उसे तीन दिन एडवांस में बुकिंग करनी होगी 7 इसे बनाने वाले शेफ पैट्रिक ने कहा कि जापान नए इम्पीरियल एरा में प्रवेश कर रहा है 7 ये मौका जिंदगी में एक बार आता है और इसलिए उन्होंने कुछ खास करने का सोचा 7 बता दें कि इससे पहले 2017 में दुबई में एक बर्गर को 36,700 दीनार यानी (10,000 डॉलर) करीब सात लाख रुपए में खरीदा गया था। बर्गर के बिक्री से जो रकम प्राप्त हुई उसे स्तन कैंसर के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली संस्था पिंक कैरावन को डोनेट किया गया था। एक नीलामी के दौरान इसकी कीमत 36,700 दीनार लगाई गई थी।

पाकिस्तान में इस वर्ष भयंकर बाढ़ की चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बाढ़ आयोग (एफ.एफ.सी.) के अध्यक्ष अहमद कमान ने देश के विभिन्न हिस्सों में मानसून की विस्तारित स्थिति को देखते हुए इस वर्ष देश में भयंकर बाढ़ की चेतावनी दी है। कमान ने जल ससाधन पर नवाज यूसुफ तालपुर की अध्यक्षता में नैशनल असैम्बली की स्थायी समिति की बैठक में कहा कि उत्तर पूर्व और पूर्व पश्चिम के वर्षा क्षेत्र जोन में बदलाव की वजह से मानसून का प्रभाव 25 अतिरिक्त जिलों में देखा गया है। बैठक में कमान ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन के कारण इन 25 जिलों (14 पंजाब के और 11 खैबर पख्तूनख्वा) में बाढ़ का असर देखा जा सकता है।''

अफगानिस्तान में सुरक्षा अभियानों में 13 आईएस आतंकवादी ढेर

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सुरक्षा बलों के अभियानों में इस्लामिक स्टेट खुरासान के कम से कम 13

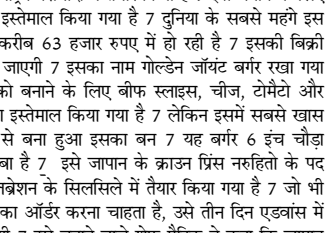

आतंकवादी मारे गये और 55 तालिबानी आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। अफगानी सेना की 201वीं सिलाब कोर की ओर से जारी बयान के मुताबिक कुनार प्रांत में आतंकवादियों के सफाए के लिए आतंकवाद निरोधक अभियान चलाए जा रहे हैं। ये अभियान तीन दिन पहले शुरू किए गए थे जो अब तक जारी हैं। इस दौरान कम से कम 13 आईएस आतंकवादी मारे गए और 55 तालिबानी आतंकवादी आत्मसमर्पण कर शांति प्रक्रिया में शामिल हो गए। बयान में बताया गया है कि सुरक्षा अभियान में वायुसेना और सेना की तोप इकाई भी शामिल थीं। तालिबान और आईएस की ओर से अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गयी है।

ढाका के किचन मार्केट में आग से कई दुकानें खाक

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका के किचन मार्केट में गुरुवार तड़के आग लगने से दर्जनों दुकानें खाक हो गई। अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के

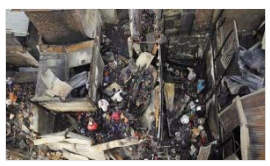

उप सहायक निदेशक काजी नाजमुज्जामन ने बताया कि कुल 16 अग्निशमन इकाइयों की दो घंटे से अधिक समय की कोशिश के बाद सुबह करीब पांच बजकर 35 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि खिलागांव क्षेत्र के किचन मार्केट में आग सुबह करीब तीन बजकर 15 मिनट पर लगी। किचन मोर्केट में तीन अलग-अलग ब्लॉक में करीब 1300 दुकानें हैं जो एक दूसरे से सटी हुई हैं। आग में किराने और अन्य सामानों की 25 दुकानें जलकर खाक हो गई। अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा मुख्यालय के ड्यूटी अधिकारी महफूज रेवेन ने बताया कि आग बुझाने के दौरान एक दमकल कर्मी झुलस गया है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

ट्रंप रिजॉर्ट में घुसी चीनी महिला गिरफ्तार, खतरनाक चीज बरामद

वाशिंगटन। अमेरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी रिजॉर्ट मार-ए-लेगो में संदिग्ध हालत में प्रवेश करने वाली चीन की एक महिला को खुफिया विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। फ्लोरिडा प्रांत में स्थित इस रिजॉर्ट में शनिवार को यूजिंग झांग नाम की यह महिला यहां सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों को झांसा देकर परिसर में दाखिल हो गई थी। झांग के पास से चार मोबाइल, एक लैपटॉप, एक हार्ड डिस्क और एक पेन ड्राइव बरामद की गई है। जांच-पड़ताल में पेन ड्राइव में खतरनाक कंप्यूटर वायरस पाया गया। खुफिया अधिकारियों ने बीते सोमवार को झांग को फ्लोरिडा की जिला अदालत में पेश किया। रिजॉर्ट मैनेजर के अनुसार, चीनी महिला के पास परिसर में दाखिल होने के पास नहीं थे। वह रिजॉर्ट में एक कार्यक्रम में शिरकत करने का बहाना बनाकर दाखिल हो गई थी। बाद में पता चला कि उसके द्वारा बताया गया कोई कार्यक्रम रिजॉर्ट में आयोजित नहीं हो रहा है।

निसान मोटर्स के पूर्व प्रमुख घोसन दोबारा गिरफ्तार

टोक्यो।

महीने भर पहले जेल से जमानत पर रिहा हुए निसान मोटर कंपनी के पूर्व चेयरमैन कार्लोस घोसन को टोक्यो में अभियोजकों ने गुरुवार को फिर गिरफ्तार कर लिया। वे 100 दिन से भी ज्यादा समय तक जेल में रहे थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कार्लोस को विश्वास हनन के नए आरोपों पर अभियोजन पक्ष द्वारा चौथा गिरफ्तारी वारंट दिया गया था। गुरुवार सुबह, अभियोजकों ने घोसन के आवास पर जाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया और वे उन्हें कार से अपने कार्यालय पूछताछ के लिए ले गए। करीबी सूत्रों के अनुसार, घोसन को ओमान स्थित निसान डीलरशिप को हस्तांतरित निसान के फंड के अंश का उपयोग करने के आरोपों के संबंध में गिरफ्तार किया गया था। ओमान में निसान डीलरशिप सात साल से पिछले साल तक उनका एक परिचित संचालित कर रहा था। हालिया आरोपों के अनुसार, घोसन ने निसान की बिक्री प्रोत्साहन के नाम पर सीईओ रिजर्व फंड से 3.4 करोड़ डॉलर का भुगतान किया हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि वह राशि तब ओमान के विक्रेता द्वारा संचालित एक निवेश कंपनी द्वारा लेबनान में खोले गए एक बैंक खाते से घोसन के परिवार के एक सदस्य के खाते में स्थानांतरित की गई थी। जेल से रिहा होने के बाद घोसन ने एक लिखित बयान में कहा कि उनकी गिरफ्तारी अपमानजनक तथा विवेकहीन थी।

घोसन के बचाव दल ने कहा कि वह राशि घोसन के नीचे काम करने वाले कर्मचारियों के आग्रह पर ओमान भेजी गई थी और डीलर को उनकी कई सालों की सेवा के बदले वैध भुगतान था।

इथोपियन प्लेन क्रैशः बोइंग एमरजैंसी रूल फॉलो करने के बावजूद विमान कंट्रोल नहीं कर सके पायलट

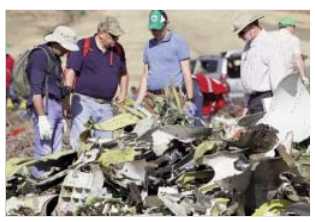

इंटरनैशनल डैस्क।

इथोपियन एयरलाइन के पायलटों ने विमान क्रैश होने से पहले बोइंग द्वारा बताए गए एमरजैंसी रूल्स का पालन किया था। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के अनुसार जांच में पता चला है कि विमान के ऑटोमेटिक कंट्रोल सिस्टम को बंद करने के लिए जारी नियमों पर अमल करने के बाद भी पायलट बोइंग 737 मैक्स 8 को नियंत्रित नहीं कर सके थे। इथोपिया और इंडोनेशिया विमान हादसे के बीच मिली समानता: इसी महीने की शुरुआत में अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने सभी बोइंग 737 विमानों की सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। उसने कहा था कि इथोपिया विमान हादसे और इंडोनेशिया विमान हादसे के बीच समानताओं का पता चला है। इथोपियन एयरलाइन फ्लाइट 10, मार्च की सुबह अदीस अबाबा से नैरोबी के लिए उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे में सवार सभी 157 लोगों की मौत हो गई थी। इससे करीब पांच महीने पहले 29 अक्टूबर को इंडोनेशिया में लायन एयर की फ्लाइट 610 उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। जर्काता से उड़ान भरने वाले इस विमान में 189 लोग मौजूद थे जिनकी हादसे में मौत हो गई थी। बोइंग हैंडबुक में बताए एमरजैंसी रूल नहीं काफी: लायन एयर विमान हादसे के बाद बोइंग ने ऑपरेशन्स मैनुअल बुलेटिन जारी किया था। इसमें कॉकपिट पर गलत नंबर आदि से निपटने के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक बोइंग हैंडबुक में बताए गए एंरजैंसी रूल विमान को क्रैश होने से बचाने के लिए काफी नहीं हैं। प्राथमिक रिपोर्ट के आने बाद निष्कर्षों को बताया जाता है, जो फाइनल नहीं होते हैं और जांच के दौरान बदलते भी रहते हैं। पिछली चार उड़ानों से थी खराबी: इंडोनेशिया में क्रैश हुए लायन एयर विमान के ब्लैक बॉक्स डाटा रिकॉर्डर से पता चला था कि क्रैश विमान के एयरस्पीड इंडीकेटर में पिछली चार उड़ानों से खराबी थी। जब ब्लैक बॉक्स खोला गया तो उसमें एयरस्पीड को लेकर समस्या पाई गई। विमान की पिछली उड़ान के टेकनिकल लॉग से पता चला कि कप्तान के पास मौजूद एयरस्पीडिंग उपकरण में खराबी थी। वहीं पायलट और कोपायलट के पास मौजूद विमान की ऊंचाई के उपकरण भी अलग-अलग आंकड़े बता रहे थे। जिससे विमान कितनी ऊंचाई पर है ये बात स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। जिसके बाद चालक दल ने जकार्ता वापस जाने का फैसला लिया।

न्यूजीलैंड में आतंकवादी हमले के बाद अर्डर्न के संवेदनशील दृष्टिकोण की दलाई लामा ने की प्रशंसा

नई दिल्ली। तिब्बतियों के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने क्राइस्टचर्च में हुए आतंकवादी हमले के बाद न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिडा अर्डर्न द्वारा अपनाए गए संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए उनकी प्रशंसा की और कहा कि 21वीं सदी शांति एवं अहिंसा की सदी होनी चाहिए। लामा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि न्यूजीलैंड अन्य देशों के लिए इस बात का जीता जागता उदाहरण है कि इस प्रकार की घटनाओं के बाद किस प्रकार शांति एवं करुणा की भावना से निपटना है। न्यूजीलैंड की मस्जिदों पर 15 मार्च को हुए एक आतंकवादी हमले में 50 लोगों की मौत हो गई थी। घृणा एवं नफरत के कारण कई देशों में पिछले कुछ वर्षों में हुईहिंसा की घटनाओं के संबंध हिंसा की घटनाओं के संबंध मे सवाल किए जाने पर दलाई लामा ने कहा कि न्यूजीलैंड की नेता ने अत्यंत दुखद स्थिति से संवेदनशीलता के साथ निपटने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि अर्डर्न ने अहिंसा, करुणा के साथ और अन्य लोगों का सम्मान करते हुए समस्या का सामना किया। हालांकि, जो कुछ हुआ वह दुःखद था, लेकिन इसके बाद हिसा नहीं हुई। दलाई लामा ने कहा कि मैं न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री की वास्तव में सराहना करता हूं। वह बेहतरीन महिला हैं। वह बेहतरीन महिला हैं। यह जीता जागता उदाहरण है और हरेक को इससे सीखना चाहिए। दलाई लामा ने सामाजिक, भावनात्मक एवं नैतिक (एसईई) शिक्षा कार्यक्रम के शुक्रवार को दिल्ली में वैश्विक लॉन्च की घोषणा के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी शांति एवं अहिसा की सदी होनी चाहिए।

आस्ट्रेलिया कसेगा सोशल मीडिया की लगाम, हिंसक तस्वीरें या वीडियो दिखाने पर होगी जेल

कैनबरा।

न्यूजीलैंड मस्जिद में हुई हमले और उसके फेसबुक लाइव की घटना के बाद आस्ट्रेलिया की संसद एक ऐसे विधेयक पर विचार कर रही है जिसके तहत सोशल मीडिया पर न्यूजीलैंड मस्जिद नरसंहार जैसी हिंसक तस्वीरें या वीडियो दिखाने पर सोशल मीडिया के कार्यकारियों को जेल हो सकती है। आलोचकों ने सचेत किया है कि प्रतिनिधि सभा के सामने बृहस्पतिवार को रखे गए प्रतिबंधात्मक प्रस्ताव के मीडिया पर सेंसरशिप और आस्ट्रेलिया में निवेश में गिरावट जैसे अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं। सरकार ने क्राइस्टचर्च में हुए हमलों के मद्देनजर यह प्रस्ताव पेश किया गया। न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च की मस्जिदों पर हमला करने वाले हमलावर ने इस हमले का सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण किया था। बता दें कि 15 मार्च को न्यूजीलैंड की दो मस्जिद में हुए द क्राइस्टचर्च नस्लवादी हमले में 50 लोगों की जान चली गई। हमलावर व्यक्ति श्वेतों को सर्वश्रेष्ठ समझने की नस्लवादी सोच से ग्रसित था और उसने दो मस्जिदों में नमाज अता कर रहे लोगों पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया। हमलावर ने इस घटना का फेसबुक पर लाइव वीडियो जारी किया। न्यूजीलैंड मस्जिद हमले के फेसबुक लाइव के बाद फेसबुक ने भी अपने लाइव फीचर के नियमों में बदलाव करने का फैसला किया है। फेसबुक लाइव फीचर में कुछ रिस्ट्रिक्शन्स जोड़ने वाली है। इस हमले के बाद कंपनी विभिन्न क्राइटेरिया के आधार पर तय करेगी कि कौन फेसबुक लाइव कर सकता है। फेसबुक ने 900 से ज्यादा ऐसे वीडियो की पहचान की है, जिनमें 17 मिनट के उस नरसंहार की तस्वीरें दिखाई गई हैं। फेसबुक ने इस वीडियो की पहचान अपनी एआई टूल की मदद से की है, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हेट ग्रुप को रिमूव किया है।

बता दें कि इससे पहले फेसबुक ने जानकारी दी थी कि उन्होंने हमले के 24 घंटे के अंदर ही दुनियाभर में मौजूद 15 लाख वीडियो को हटाया है, जिसमें न्यूजीलैंड मस्जिद हमले की फुटेज थी। पिछले हफ्ते फांस के एक प्रमुख मुस्लिम समूह ने कहा था कि वह फेसबुक और यूट्यूब के खिलाफ वीडियो स्ट्रीमिंग के जरिए हिंसा भड़काने का मामला दर्ज कराएंगे।

सूरत लोकसभा सीट से भाजपा से दर्शना जरदोष एवं कांग्रेस से अशोक पटेल ने भरा फार्म

सूरत। गुरुवार आज लोकसभा चुनाव 2014 के लिए गुरुवार में पर्चाभरने की अंतिम तारीख होने से भाजपा की निवर्तमान सांसद दर्शना जरदोष तथा कांग्रेस कांग्रेस प्रत्याशी अशोक पटेल द्वारा जिला कलेक्टर कचहरी में उपस्थित होकर जिला कलेक्टर के समक्ष पर्चा भरा।

कांग्रेस के सूरत सीट हेतु जाहेर उम्मीदवार अशोक पटेल (अधेवाड) द्वारा सबेरे 9.30 बजे वराछा मानगढ चौक में कार्यकर्ताओं के साथ इकट्ठा हुए। वहां से वाहन रैली निकालकर अठवागेट स्थित जिला सेवा स दन स्थित जिला कलेक्टर आफिस गए। इस अवसर पर कांग्रेस अंग्रणी कदीरभाई पीरजादा सूरत शहेर कांग्रेस अध्यक्ष बाबू भाई रायका कांग्रेस कार्पोरेटर दिनेश काठड़िया सहित भारी संख्या में कार्पोरेटर एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रत्याशी अशोक पटेल द्वारा जिला कलेक्टर डा. धवल पटेल समक्ष उम्मेदवारी पत्रक रक कर अपनी दावेदारी दर्ज की।

भाजपा प्रत्याशी दर्शना जरदोष को तीसरी बार उम्मेदवारी पत्र भरना था जिससे सवेरे 11.30 बजे अठवा गेट स्थित वनिता विश्राम ग्राउन्ड के पास भारी संख्या में कार्यकर्ता इकट्ठे हुए थे। भाजपा के अग्रणी नेता पुरुोतम रुपाला की उपस्थिति में दर्शना जरदोष की रैली जिला कलेक्टर आफिस पुहंची।

इस अवसर पर सूरत शहर भाजपा अध्यक्ष नितिन भजियावाला मंत्री किशोर भाई कानाणी सहित शहेर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्पोरेटरों के साथ भारी संख्या में कार्यकर्ता में मौजूद थे। निवर्तमान सासंद दर्शना जरदोष द्वारा गतरोज चुप चाप उम्मेदवारी फार्म भर दिया था आज तो सिर्फ शक्ति प्रदर्शन हेतु रैली निकालकर दुसरा फार्म भरना था। आज उम्मेदवारी दर्ज कराने का अन्तिम दिन होने से मुख्य राजकीय पक्षों के अतिरिक्त अन्य पक्षों के उम्मीदवारों द्वारा भी पर्चा दाखिल कल था जिससे कलेक्टर कचेहरी में व्यस्तता अधिक ती कल तारीख 5 अप्रैल को फार्म की जांच होगी अप्रैल को उम्मीदवारों की अन्तिम यादी प्रकाशित होगी 23 अप्रैल को मतदान एवं 23 मई में मतगणना होगी।

कलेक्टर कचहरी में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट

सूरत। दक्षिण गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर भाजपा से दर्शना जरदोश और कांग्रेस से अशोक अधेवाला को मेंडेट मिलने के बाद दोनों उम्मीदवार एक ही समय नामांकन पत्र दाखिल करने कलेक्टर कचहरी पहुंच गए। कचहरी में दोनों उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल कर रहे थे, उस वक्त बाहर उनके समर्थक से मारपीट कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक भाजपा और कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं के बीच मामूली बात को लेकर कहासुनी हुई थी जो बाद में मारपीट में बदल गई। महिला कार्यकर्ताओं की लड़ाई में भाजपा और कांग्रेस के पुरुष कार्यकर्ता भी कूद गए और एक-दूसरे से भीड़ गए। मामला बढ़ता देख पुलिस ने बीचबचाव कर मामला शांत करने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया। आखिरकार नवसारी के सांसद सीआर पाटिल ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करवाया और पुलिस ने भाजपा व कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अलग अलग किया।

जिले में स्वाइन फ्लू कहर यथावत और एक महिला की मौत

सूरत। सूरत समेत समग्र राज्यभर में हाहाकार मचाने वाले स्वाइन फ्लू का कहर यथावत है। जिले में एक महिला की स्वाइन फ्लू से मौत हो गई है तथा शहर में नए तीन और मामले दर्ज हुए हैं। इसी के साथ सूरत में 450 से अधिक मरीज स्वाइन फ्लू के शिकार बन चुके हैं जिसमें अब तक 11 लोगों की मौत भी हो चुकी है। बुधवार को सूरत जिले के चोर्यासी तहसील में 49 वर्षीय महिला की स्वाइन फ्लू के कारण मौत हो गई थी, जबकि पलसाणा में 45 वर्षीय महिला, एल.एच.रोड, सीतानगर और चिकूवाड़ी में महिला में स्वाइन फ्लू पोजिटीव आने पर उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इसी के साथ जिले में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है और 63 केस दर्ज हुए हैं। जबकि शहर में 389 केस दर्ज हुए हैं और लोगों की मौत हुई है। सूरत शहर और जिले में 452 केस जनवरी से अब तक दर्ज हो चुके हैं।

अडाजण घाट से मिला छात्र की लाश

सूरत। एटीकेटी की परीक्षा में सुपरवाइजर ने 10 मिनट पहले ही उत्तर पुस्तिका लेने से नानपुरा के छात्र ने गतरोज अंबिका निकेतन के पीछे वॉकवे से तापी नदी में छलांग लगायी। दमकल को सूचित करने पर जवान घटना स्थल पर पहुंच कर तलाश शुरू की थी, लेकिन भरती के पानी में युवक का पता नहीं चल पाया था। इस दौरान बुधवार को फिर से फायर के जवानों ने खोजबीन करने पर 24 घंटे के बाद अडाजण घाट से छात्र का मृतदेह मिला। घटना के बाद परिवारजनों ने पहले कॉलेज के सुपरवाइजर पर आरोप लगाए थे। इसके बाद सिविल अस्पताल में मृतक दीपक शेट्टी के पिता प्रभात शेट्टी ने बताया कि उसकी पत्नी को मिर्गी की बीमारी है और जब दीपक का जन्म हुआ उसे भी यह बीमारी थी। इसलिए दूसरा लड़का भी नहीं हुआ और हो सकता है कि दीपक वॉकवे के पास बैठा हो और अचानक मिर्गी आने से पानी में गिर गया हो।

डाक्टर के साथ सराकी कांट्रेक्ट के लिए दस लाख की धोखा धड़ी

सूरत। गुरुवार भीमराड के डाक्टर के साथ नानपुरा के चीटर ने दस लाख रुपये ठग लिए। खटोदरा पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार भीमराड़ रोड़ इको प्वाइंट एपार्टमेंट की र हीश डा. चन्द्रस्मिता प्रदीप भाई डेकी ने आरोपी हर्षिल नरेन्द्र सूर्यवंशी (पारड़ी नागपुर) के विरुद्ध शिकायत दर्ज करायी है कि चन्द्रस्मिता की शिकायत में आरोपी हर्षिल ने शिकायतकर्ता को बताया कि वह एम. टेक की डिग्री धारक इन्जीनियर है तथा कान्ट्रेक्ट का काम करता है। डा. चन्द्स्मिता को विश्वास में लेने के बाद रुपये 90 लाख प्राप्त कर विश्वासघात एवं धोखाधड़ी की है।

अमदाबाद के व्यापारी द्वारा सूरत के व्यापारी के साथ 9.40 लाख चीटिंग

सूरत। गुरुवार अमदाबाद के व्यापारी द्वारा सूरत के व्यापारी के साथ रुपये 9.40 लाख की ठगाई का प्रकरण प्रकाश में आया है। साड़ी का जत्था खरीदने के बाद पेमेन्ट देने के बादले दुकान एवं फोन बन्द कर अमदाबाद का व्यापारी भाग गया।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार घोड़दौड़ रोड़ सूर्य किरण अपार्टमेन्ट में रहने वाले एवं रिंगरोड़ अभिनन्दन टेक्सटाइल मार्केट में गौरीपति सारीज के नाम से दुकान चलाने वाले तुषार अरविन्द भाई मित्तल के पास से आरोपी राकेश रामचन्द गौड़ सिद्धि विनायक टेक्सटाइल अहमदाबाद रुपया 9,40,433 की कीमत की साड़ी खरीदी थी। अमदाबाद के व्यापारी द्वारा सूरत के व्यापारी के साथ रुपये 9.40 लाख की ठगाई का प्रकरण प्रकाश में आया है। साड़ी का जत्था खरीदने के बाद पेमेन्ट देने के बादले दुकान एवं फोन बन्द कर अमदाबाद का व्यापारी भाग गया। 25 दिन के बाद पेमेन्ट देने का वायदा करने के बाद आरोपी व्यापारी ने पेमेन्ट न देकर शिकायतकर्ता के साथ विश्वासघात एवं धोखाधड़ी की इतना ही नहीं आरोपी ने दुकान एवं मोबाईल भी बन्द कर मार्केट से ही गायब हो गया। सलावतपुरा पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

सूरत मनपा के सेंट्रल जोन ने नानपुरा में अवैध बांधकाम तोड़ा

सूरत। गुरुवार शहर महानगर पालिका के सेंट्रल जोन के कार्यपालक इन्जीनियर की सूचना एवं मार्गदर्श के तहत नानपुरा के अवैध बांधकाम को तोड़ा। वार्ड नं. 1 नानपुरा काला पेशी मोहल्ला वाली मिल्कत में मिलकत दार मनहार लाल परमार द्वारा सूरत मनपा द्वारा मंजूर प्लान के विरुद्ध किया गया बांधकाम शहेर विकास विभाग व दबाण खाता के स्टाफ द्वारा तोड़ा गया। इसमें चौथे एवं पांचवे मंजिल की एवं दीवारों के साथ छठे मंजिल का आंशिक छत मिलाकर लगभग 2900 चौरस फुट का डेमोलेशन करने के साथ ही 75000 रुपये प्रबन्धन चार्ज भी वसूल किया गया।

अहमदाबाद पूर्व: भाजपा ने परेश रावल का टिकट काटा, हशमुख पटेल होंगे उम्मीदवार

अहमदाबाद। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने लोकसभा चुनाव 2014 में अहमदाबाद पूर्व सीट से जीत दर्ज करने वाले परेश रावल का टिकट काट दिया है। पार्टी ने देर रात घोषणा की है कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए इस सीट पर हशमुख एस पटेल उम्मीदवार होंगे। हशमुख पटेल 2012 में बीजेपी के टिकट से विधायक बने थे। 2017 में वे दोबारा चुनकर आए थे।

परेश रावल ने पिछले दिनों खुद ही लोकसभा चुनाव न लड़ने की इच्छा जताई थी। बताया जा रहा है कि पार्टी कार्यकर्ता क्षेत्र में परेश रावल की अनुपस्थिति से खुश नहीं थे। परेश रावल ने ट्वीट करके कहा था, मैं अपने मीडिया के दोस्तों से अनुरोध करता हूं कि मेरे नामांकन के बारे में कोई अटकल न लगाएं। मैंने पार्टी को महीनों पहले बता दिया था कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। मैं बीजेपी का वफादार सदस्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थक रहूंगा। लोकसभा चुनाव सात चरणों में संपन्न होंगे। पहले चरण के लिए मतदान 11 अप्रैल और अंतिम चरण के लिए 19 मई को होगा। 23 मई को चुनाव परिणाम सामने आएंगे।

हार्दिक को झटका, सजा पर रोक लगाने संबंधी याचिका पर सुनवाई से एससी का इनकार

अहमदाबाद/नई दिल्ली। कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल इस बार का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने मेहसाणा दंगा केस में मिली उनकी सजा पर रोक लगाने संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार किया है। 4 अप्रैल तीसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि है, ऐसे में अब हार्दिक का चुनाव लड़ना नामुमकिन होगा।

पिछले हफ्ते 29 मार्च को गुजरात हाईकोर्ट ने 2015 के मेहसाणा दंगा केस में उन्हें मिली 2 साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सजा मिलने के बाद से ही वह जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 के प्रावधानों के मुताबिक चुनाव लड़ने के अयोग्य हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट के तौर पर उनके पास आखिरी विकल्प बचा था जहां अपील कर वह राहत पा सकते थे और उसके बाद नामांकन कर सकते थे। मगर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी इस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

हार्दिक ने हाई कोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपील की थी कि लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए उन्हें सजा से छूट दे दी जाए। पिछले साल जुलाई में गुजरात की एक अदालत ने बीजेपी विधायक के दफ्तर पर हमला करने के आरोप में हार्दिक पटेल और उनके दो अन्य साथियों को दोषी ठहराया था। अदालत ने पटेल और उनके साथियों को दो-दो साल की सजा सुनाई थी। इसके अलावा उन्हें 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया था।

विधानसभा उपचुनाव में अपने पूर्व साथियों से भिड़ेंगे कांग्रेस प्रत्याशी

अहमदाबाद। गुजरात में लोकसभा की 26 सीटों पर सामान्य चुनाव के साथ ही राज्य की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे से रिक्त हुई इन सीटों पर भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों ने आज नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। इन चारों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों को अपने पुराने साथियों से मुकाबला करना है। चार सीटों में से तीन सौराष्ट्र की हैं और एक उत्तरी गुजरात की है। जूनागढ़ की माणावदर से भाजपा प्रत्याशी जवाहर चावड़ा का मुकाबला कांग्रेस के अरविंद लडानी से होगा। वहीं जामनगर ग्रामीण में भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ कांग्रेस के जयंति सभाया मैदान में हैं। सुरेन्द्रनगर जिले की ध्रांगध्रा सीट पर भाजपा के परषोत्तम साबरिया और दिनेश पटेल के बीच मुकाबला है। जबकि उत्तरी गुजरात के मेहसाणा जिले की आशा पटेल के खिलाफ कांग्रेस ने केएम पटेल को मैदान में उतारा है।

43.7 डिग्री तापमान के साथ अहमदाबाद गुजरात का सबसे गर्म शहर रहा

अहमदाबाद। शहर समेत पूरा गुजरात हिटवेव की चपेट में है। गुजरात में आज सबसे गर्म शहर अहमदाबाद रहा, जहां तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। अरब सागर में हाई प्रेशर सिस्टम के चलते गुजरात में भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी का पारा सामान्य से 3 से 5 डिग्री बढ़ा है। हिटवेव के चलते गुजरात के 9 शहरों का तापमान 41 डिग्री को पार कर गया है। अहमदाबाद में पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान में 2 डिग्री का इजाफा हुआ है। आज 43.। डिग्री तापमान के साथ अहमदाबाद राज्य का सबसे गर्म शहर रहा। गांधीनगर, डीसा और साबरकांठा के तापमान में भी पिछले 24 घंटों के दौरान वृद्धि हुई है। डीसा में तापमान 43.2 डिग्री, गांधीनगर में 42.6 डिग्री, सुरेन्द्रनगर में 43.4 डिग्री, राजकोट में 42.8 डिग्री, अमरेली में 43.2 डिग्री, वडोदरा में 41.6 डिग्री, भावनगर में 40.1 डिग्री, भुज में 42.8 डिग्री और सूरत में तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गुजरात में लगातार बढ़ती गर्मी के चलते राजकोट महानगर पालिका ने ऑरेंज एलर्ट जारी किया है। पिछले चार दिनों से दोपहर के समय 41 से 43 डिग्री तक तापमान दर्ज हुआ है। बुधवार को 43.3 डिग्री के साथ राजकोट गुजरात का सबसे गर्म शहर रहा था।

पीएम मोदी को फैंकू कहने पर रेलवे कर्मचारी जवाब तलब

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फैंकू कहने वाले रेलवे कर्मचारी अहमदाबाद मंडल रेल प्रबंधक ने जवाब तलब किया है। अहमदाबाद समेत देशभर में नागरिकों द्वारा सोशल मीडिया में सरकार समेत प्रधानमंत्री के खिलाफ किसी प्रकार की टिप्पणी पर पीएमओ लगातार नजर रख रहा है। विवादित टिप्पणी दिखने पर एकाउन्ट ब्लोक करने के साथ संबंदित व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही करने का स्थानीय प्रशासन को आदेश दिया जाता है। ऐसे में अहमदाबाद मंडल के ध्रांगध्रा एवं मालिया मियाणा स्टेशन के बीच स्थित देवलिया रोड स्टेश पर बतौर अधिकारी सेवारत कर्मचारी ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी को फैंकू कहा था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)